मधुमक्खी पालक

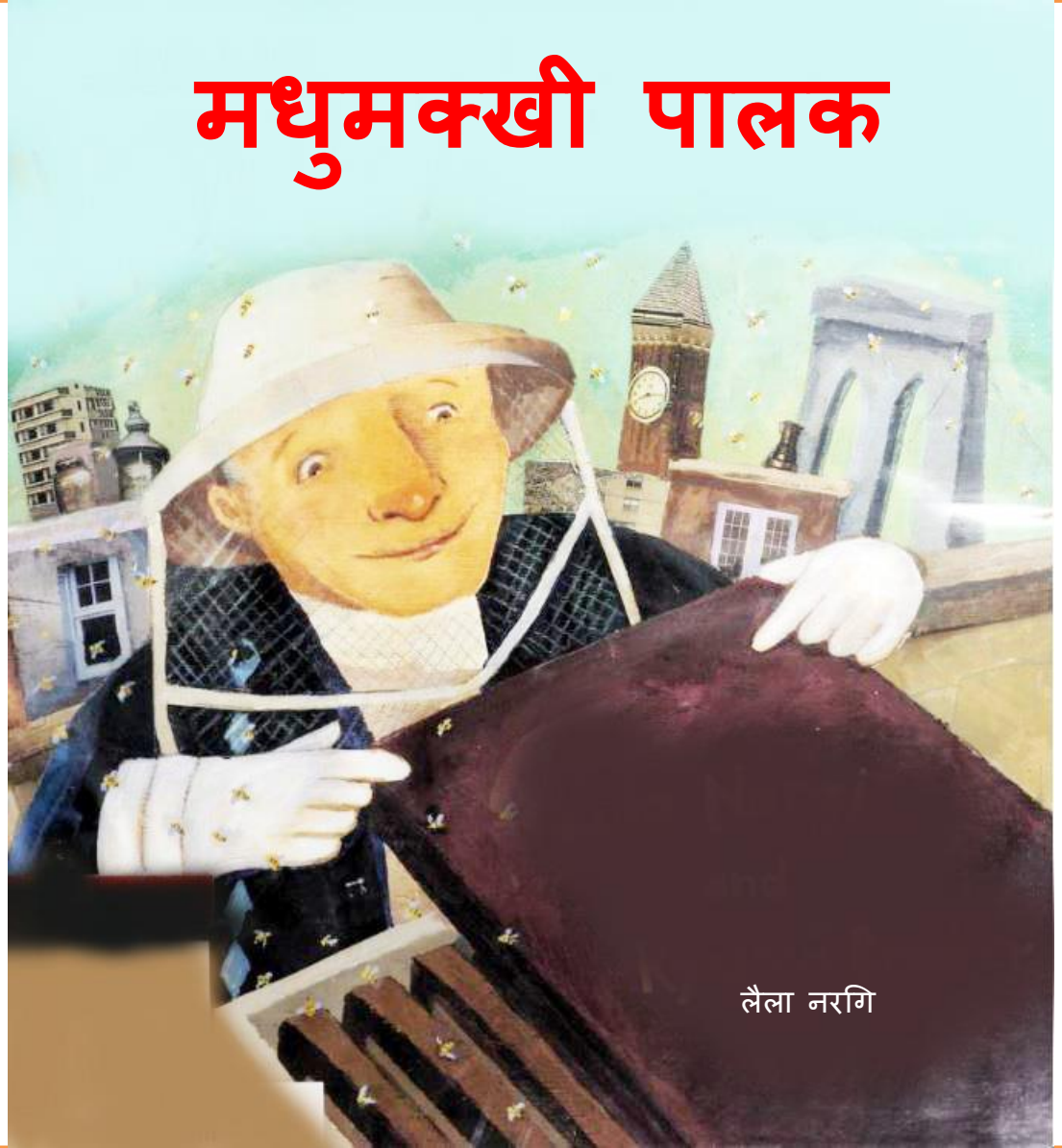

लैला नरगि

मधुमक्खी पालक

लैला नरगि

एक शांत जुलाई की सुबह-सुबह, फ्रेड अपने बिस्तर से उठा और उसने अपनी चप्पले पहनीं. फिर उसने अपने विशाल परिवार के दो सदस्यों का अभिनंदन किया:

"गुड मॉर्निंग, कॉपर!" उसने अपने कुत्ते से कहा, जो अभी भी गलीचे पर लेटा पड़ा था.

"गुड मॉर्निंग, कैट," उसने अपनी बिल्ली को कैट के नाम से बुलाया. बिल्ली, सूरज की गर्मी सेंक रही थी.

फिर फ्रेड नीचे रसोई में गया और उसने एक कप चाय बनाई. उसने एक हाथ में अपना कप लिया और फिर ऊपर सीढ़ियों पर चढ़ा, जिससे वो दूसरी मंज़िल पर पहुँचा. फिर वो दीवार पर लगी एक सीढ़ी पर चढ़ा, और अंत में धक्का देकर एक दरवाज़ा खोलकर छत पर चढ़ा.

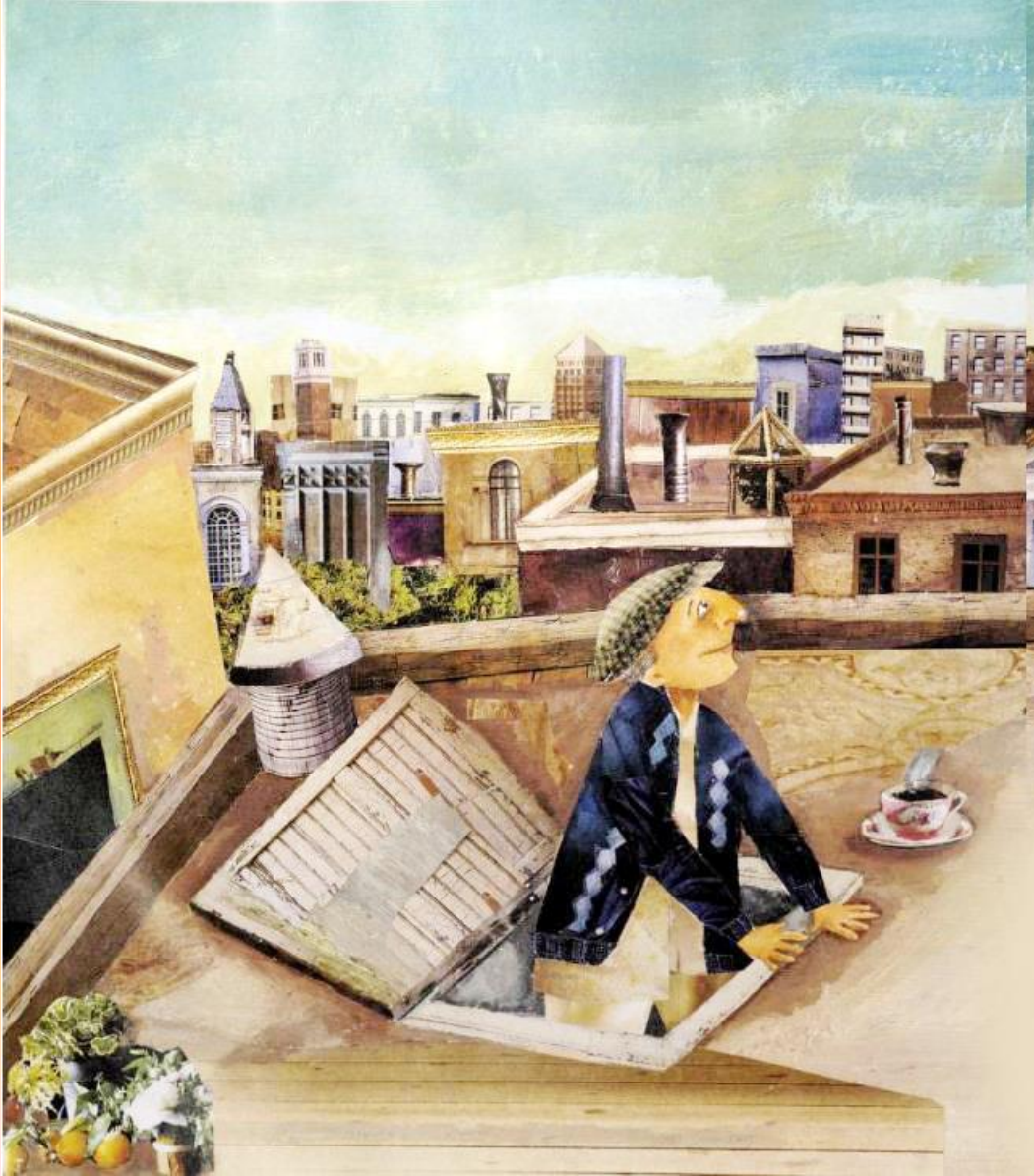

चारों ओर शांत ब्रुकलिन शहर था - हर ओर भूरे पत्थर और लिंडन के पेड़, एक ऊंचा घंटाघर, और दूरी पर एक पुल था.

फ्रेड की छत के किनारे के पास एक और छोटा शहर था. उसमें तीन घर थे, प्रत्येक में दो सफेद छतें और एक लाल छत थी, और अंदर, मोम से बने हजारों छोटे-छोटे कमरे थे. बाहर से वो छोटा शहर भी एकदम शांत लगता था.

फ्रेड ने गर्मी की सुबह की खुशबू सूंघी: मेपल के पत्ते, गैसोलीन, नदी और धूल. वो छत पर बसे छोटे शहर की ओर मुड़ा और उसकी छोटी, मीठी गंध सूंघी - जो कारमेल की तरह एक पके आड़ू की तरह थी.

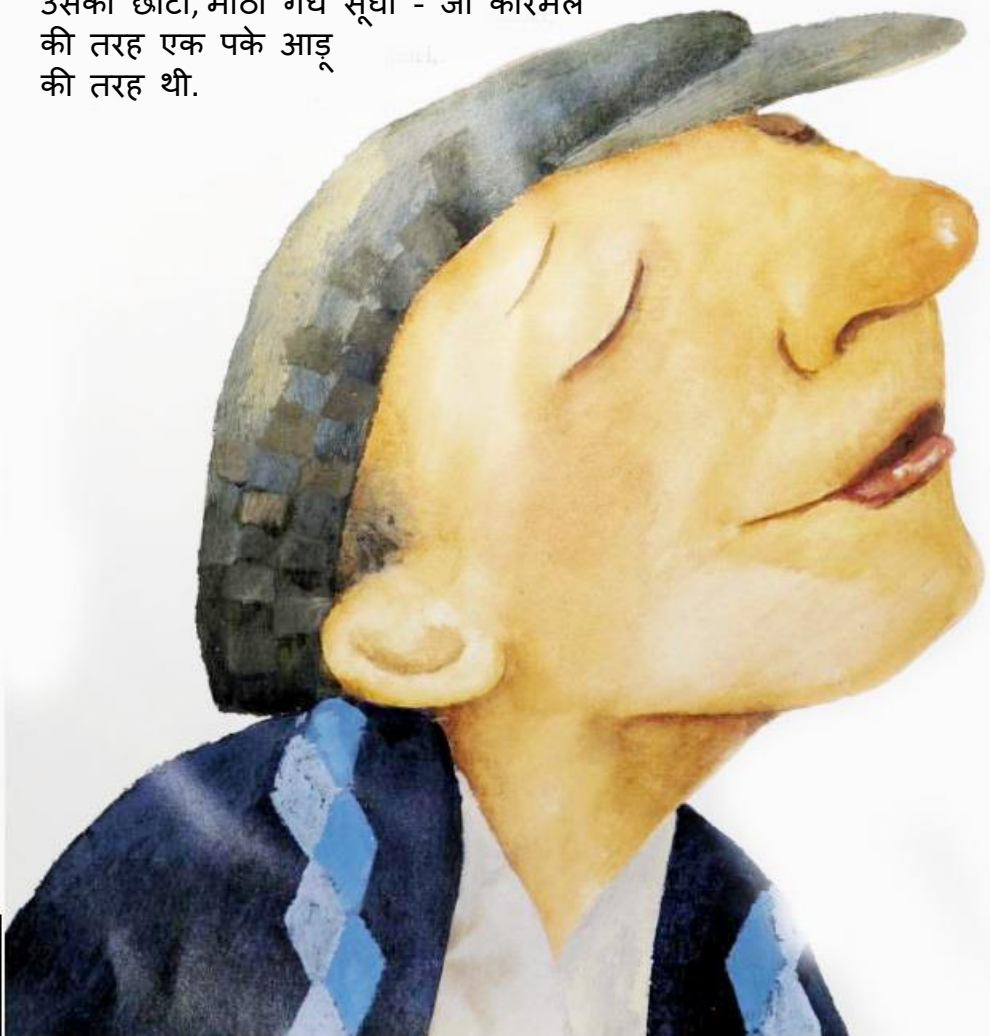

पहले छोटे से घर में फ्रेड ने कहा, "गुड मॉर्निंग, रानी माब."

फिर अन्य दो घरों से कहा, "गुड-मॉर्निंगं, रानी नेफ़र्टिटी. गुड-मॉर्निंगं, रानी बोडिसिया."

फिर फ़्रेड ने अपने परिवार के बाकी सदस्यों का अभिनन्दन किया, उसके पास गिनती से अधिक सदस्य थे: "गुड-मॉर्निंगं, मेरी प्यारी मधुमक्खियों!"

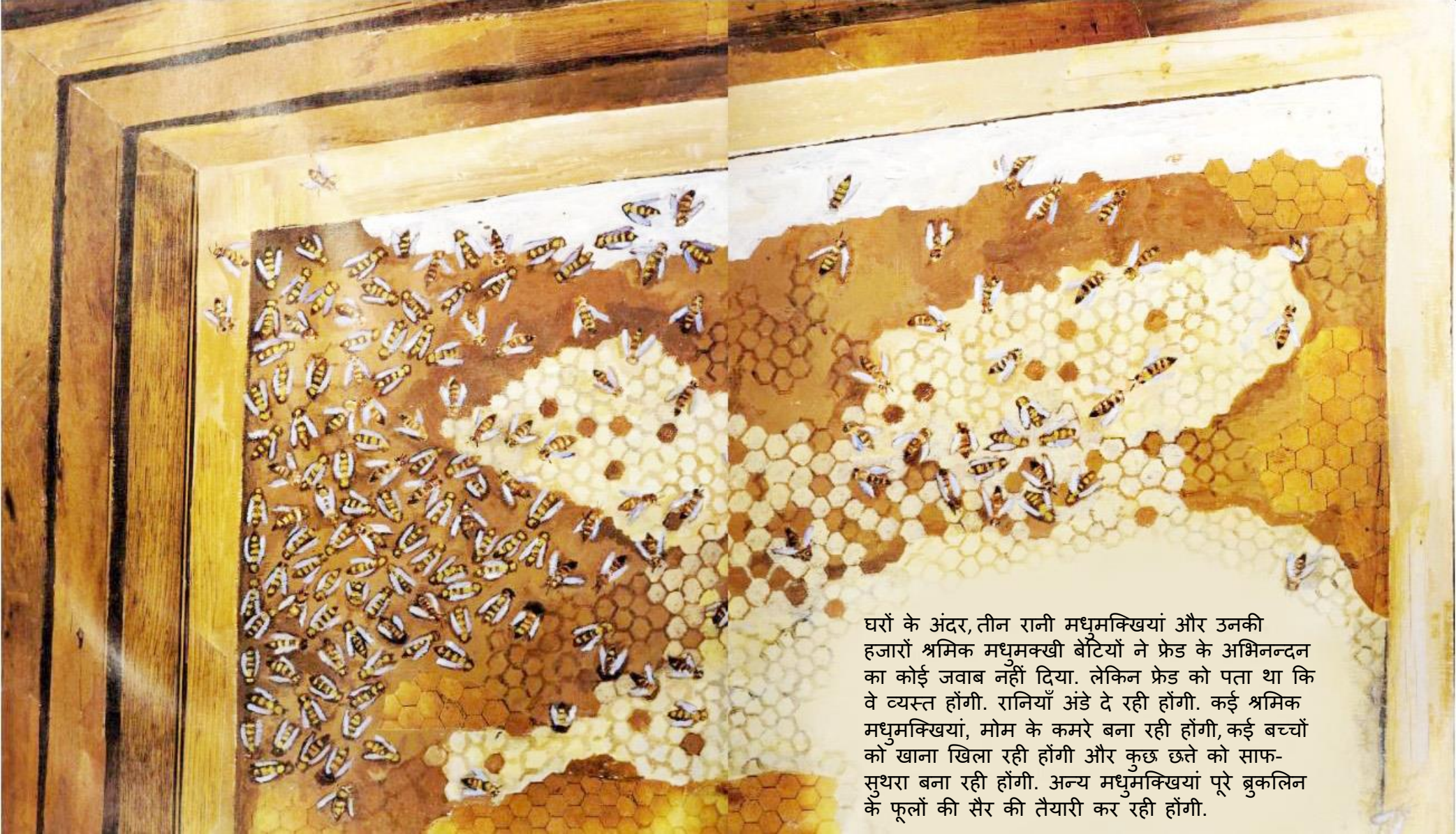

घरों के अंदर, तीन रानी मधुमक्खियां और उनकी हजारों श्रमिक मधुमक्खी बेटियों ने फ्रेड के अभिनन्दन का कोई जवाब नहीं दिया. लेकिन फ्रेड को पता था कि वे व्यस्त होंगी. रानियाँ अंडे दे रही होंगी. कई श्रमिक मधुमक्खियां, मोम के कमरे बना रही होंगी, कई बच्चों को खाना खिला रही होंगी और कुछ छत्ते को साफ-सुथरा बना रही होंगी. अन्य मधुमक्खियां पूरे ब्रुकलिन के फूलों की सैर की तैयारी कर रही होंगी.

फ़्रेड ने अपनी आँखें बंद कर लीं और अपने मन को भटकने दिया. क्या रानी माब की बेटियों को पिछले साल की तरह पुदीने के फूल मिलेंगे? क्या रानी बोडिसिया का शहद गुड़ की तरह गहरा होगा, या भूरे रंग के एम्बर जैसा हल्का और साफ होगा?

जैसे ही उसने शहद के बारे में सोचा, वैसे ही फ़्रेड के मुंह में पानी आने लगा.

"मैं वो सब पता लगाने के लिए अब और इंतजार नहीं कर सकता हूँ!"

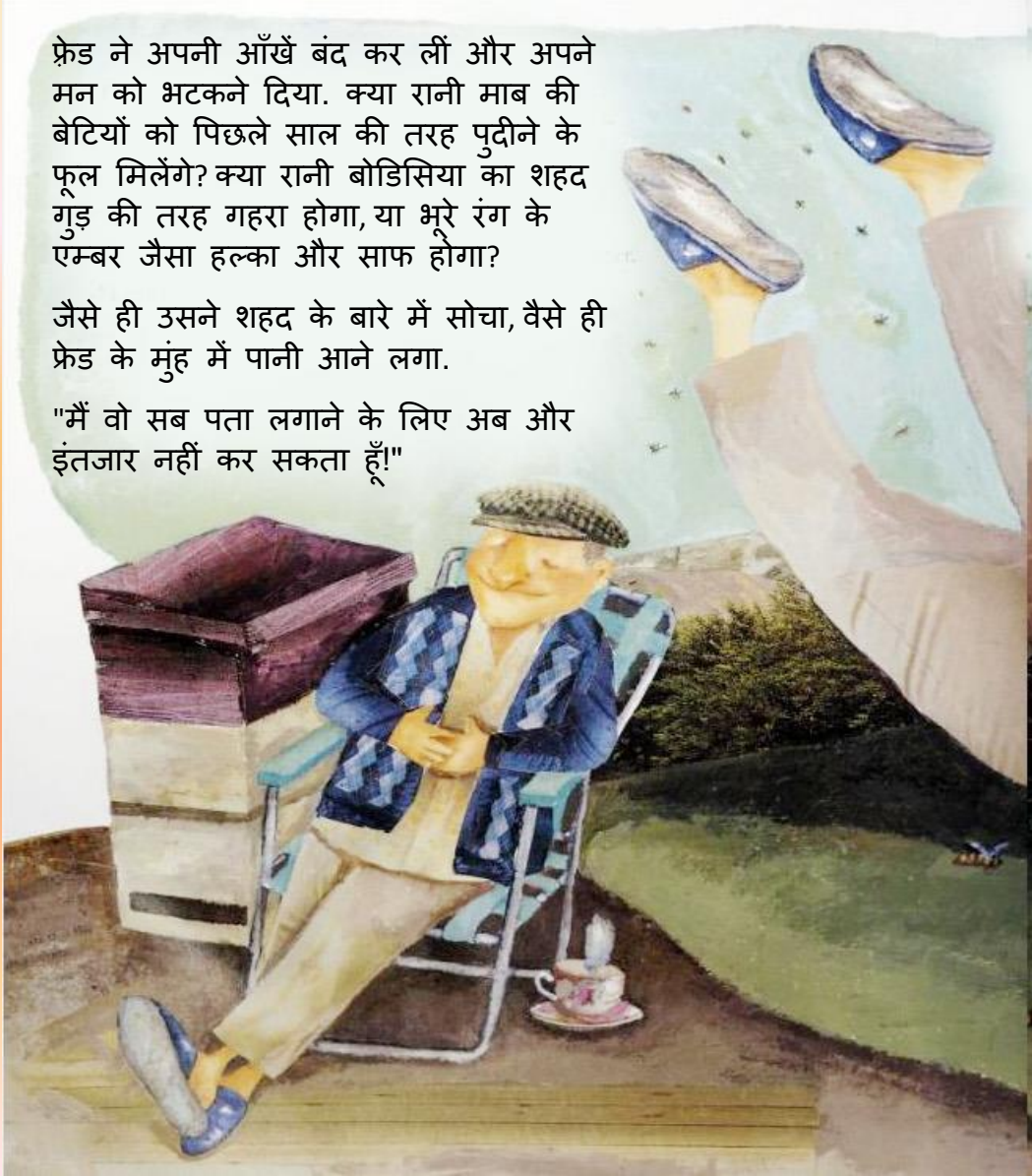

फ़्रेड ने अपने ब्लॉक के अंत में पार्क के बारे में सोचा. उसने कल्पना की कि उसकी मधुमक्खियां तिपतिया घास की ओर बढ़ रही होंगी, और वो धीमी गति के साथ उड़ रही होंगी. फ़्रेड चाहता था कि वो भी उनके साथ वहां उड़ सके, और हवा उसकी पीठ पर बहे.

फ्रेड ने अपनी आँखें खोलीं. उसके सामने मधुमक्खियों का छत्ता जीवित था, और छत्ता हल्की गुनगुनाहट के साथ गुनगुना रहा था. फ्रेड ने भी धीमे-धीमे गुनगुनाया, "मुझे बताओ कि तुम्हें दुनिया भर में उड़ना कैसा लगता है!" ज़ज़्ज़ज़्! मधुमक्खियों ने गुनगुनाकर अपना उत्तर दिया. फ्रेड के लिए, वो एक उत्तर की तरह था. काश वो उसे समझ पाता!

अपनी पहली उड़ान में युवा मधुमक्खियां हवा में चक्कर लगायेंगी. "मेरी लड़कियाँ, डरो मत!" 'फ्रेड ने सुखदायक स्वर में कहा. जैसे ही वो बोला, युवा मधुमक्खियां ने अपना साहस जुटाया. नीचे की सड़कों पर, ट्रकों की गड़गड़ाहट थी और छोटे बच्चे अपनी बग्घियों में बैठे हुए चिल्ला रहे थे. लेकिन धीरे-धीरे करके युवा मधुमक्खियां अपने छोटे शहर के किनारे से आगे निकल गयीं.

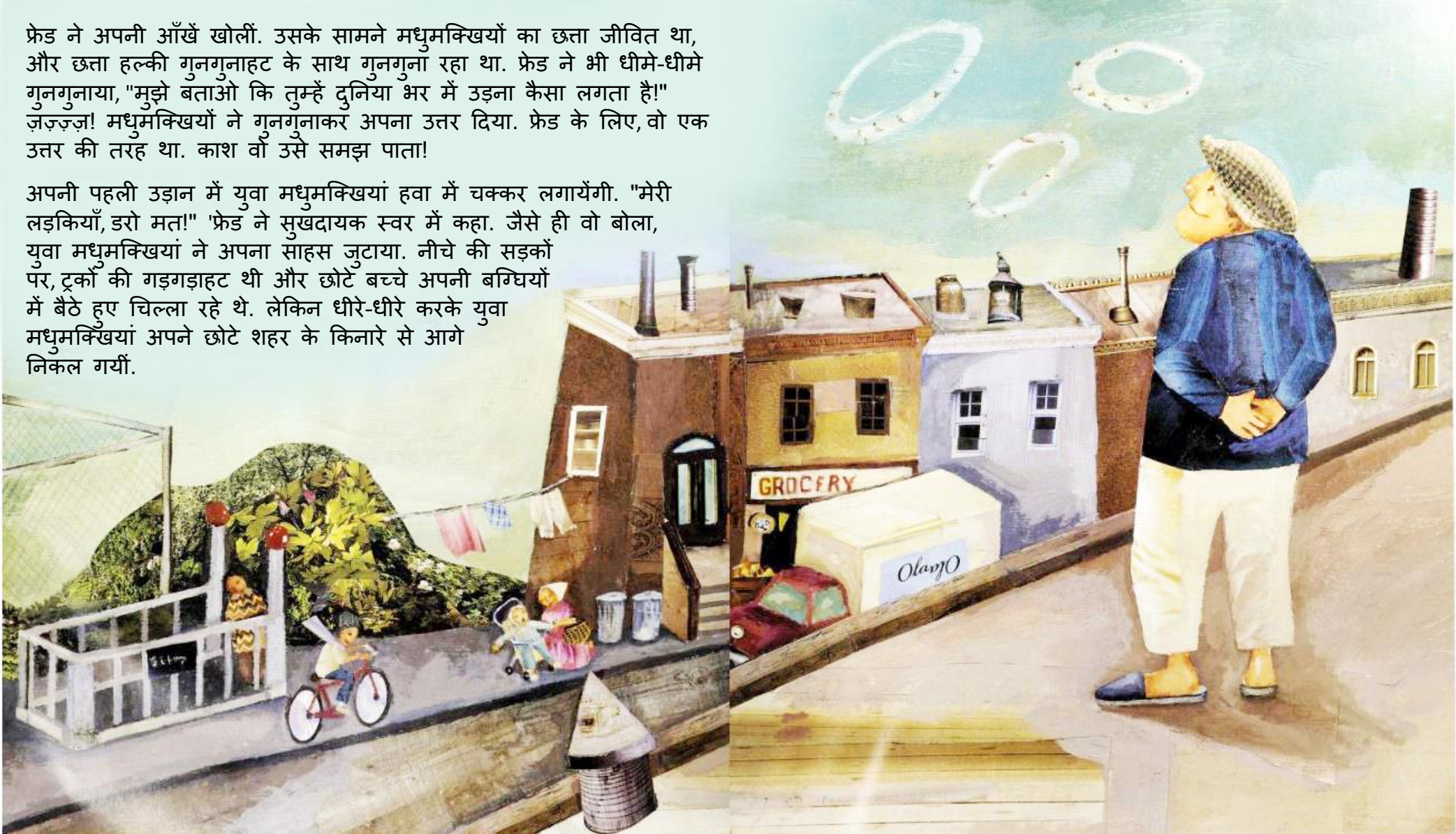

फ्रेड के लिए पुरानी मधुमक्खियों को पहचानना आसान था. वो अपनी छोटी दुनिया और लोगों की विशाल दुनिया के बीच घूमने की आदी थीं. वे अपने छत्तों से बाहर निकलती थीं और अपने आप को हवा में अपने पंखों पर उड़ती थीं. कुछ मधुमक्खियां फ्रेड की बाहों पर आकर बैठ जाती थीं.

"हेलो फ्रेड!" उन्होंने कहा.

"हेलो, लड़कियों. तुम्हारा दिन शुभ हो. अब तुम जाओ!" फिर फ्रेड ने उन्हें एक उंगली से एक कोमल झटका दिया और वे दूर उड़ गयीं.

फ्रेड ने देखा कि उसकी मधुमक्खियां अपने पिछवाड़े के बगीचे और ब्लॉक के अन्य बगीचों में उड़ रही थीं. उसने उन मधुमक्खियों को मीठी मटर और स्क्वैश फूलों में गोता लगाते हुए देखा. अगर वो करीब होता, तो वो मधुमक्खियों को फूलों का अमृत पीने के लिए उनकी ट्यूब जैसी जीभ का उपयोग करते हुए देख सकता था, जिसे वे अपने पेट के अंदर शहद की थैलियों में जमा करती थीं. फिर वो अगले मटर के पौधे पर मंडराती, वे पिछवाड़े में अन्य फूलों पर जातीं और हो सकता था, अगर फ्रेड भाग्यशाली हो तो उसकी मधुमक्खियां शहर के ब्लूबेरी फूलों पर भी जाएं.

जब मधुमक्खियां अपने छत्ते में लौटीं, तो फ्रेड ने देखा कि वो अब पहले से धीरे उड़ रही थीं - अब, पराग से उनका शरीर भारी था.

उसे पता है कि जो मधुमक्खियां अमृत (पराग) लाई थीं वो उसे मोम के छोटे कमरों में जमा करेंगी.

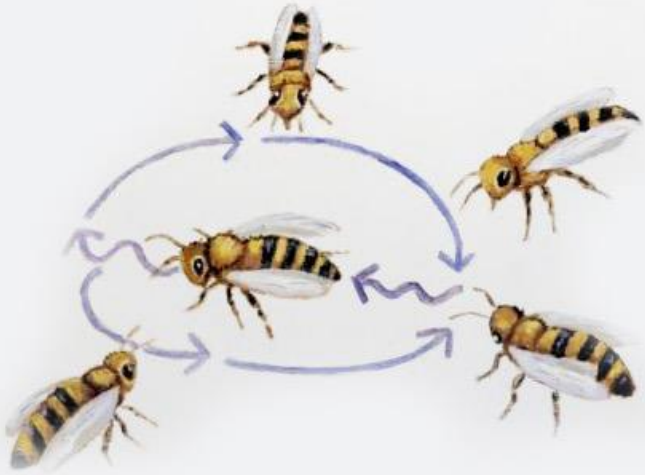

फ्रेड को पता था अंदर जाकर मधुमक्खियां दूसरों को यह बताने के लिए अंग्रेज़ी के अंक आठ (8) का नृत्य करेंगी और उससे बाकी मधुमक्खियों को यह पता चल जाएगा कि सबसे अच्छे फूल कहाँ उगे हैं.

और वो यह भी जानता था कि मधुमक्खियां उस गीले अमृत के पानी को सुखाने के लिए अपने पंख फैलाएंगी. इससे वो अमृत, शहद में बदल जाएगा.

दिन-ब-दिन फ्रेड ने शहर की रौशनी में मधुमक्खियों को घूमते, भटकते हुए देखा.

"तुम कभी थकती नहीं हो," उसने आह भारी, “काश मैं भी मधुमक्खियों की तरह मजबूत और स्वतंत्र होता.”

अगस्त के अंत में एक दोपहर को, फ्रेड फिर से अपनी छत पर फिर चढ़ा. उसने अब काले रबर के बारिश के जूते पहने थे और अपने सर को एक जाली से ढंका. बिल्ली ने उसके हाथ को खरोंचा था, क्योंकि आज सुबह वो जागना नहीं चाहती थी. फ्रेड ने मधुमक्खियों से एक प्रार्थना की:

"प्यारी मधुमक्खियों, मैं शहद लेने आया हूँ."

और साथ में एक दलील भी:

"कृपया मुझे डंक मत मारना!"

फ्रेड ने मधुमक्खियों के छत्तों में धुंआ छोड़ा, जिससे मधुमक्खियाँ छत्ते में गहराई में दब गईं.

फिर फ्रेड ने सबसे ऊपर की मंजिल वाले छत्ते को बाहर निकाला. उसने उसे बाल्टी में डाला और कहा:

"मधुमक्खियों, इस शहद के लिए धन्यवाद."

फ्रेड बाल्टियों को सीढ़ी से नीचे उतारकर उन्हें अपने घर में ले गया. वहाँ से उसने अपने शहद से प्यार करने वाले कुत्ते को भगा दिया.

फ्रेड ने एक प्लास्टिक की टंकी के ऊपर मधुकोश के एक फ्रेम को सेट किया और फिर मोम के कवर को काटा, जिससे शहद बाहर बहने लगा.

फिर उसने मधुकोश को घूमने वाली मशीन यानी सेंट्रीफ्यूज में रखा, जो छत्ते में से शहद की आखिरी बूंद तक को निचोड़ लेगी.

फिर उसने शहद को कांच के जार में भरा.

फिर उसने जार पर लेबल चिपकाया: फ्रेड का ब्रुकलिन शहद, न थकने वाली ब्रुकलिन मधुमक्खियों द्वारा बनाया गया.

देर दोपहर में, फ्रेड अपने स्टूल पर बैठा और उसने गर्मियों की ठंडी हवा का आनंद लिया. जब उसके पड़ोसी उससे गप्पे लगाने के लिए बाहर आए, तो फ्रेड ने उनमें से प्रत्येक को, गहरे सोने के शहद का एक-एक जार दिया.

एक पड़ोसी ने पूछा, "यह शहद कहाँ से आया है?" और फ्रेड ने गुनगुनाते हुए कहा, "आपके पिछवाड़े में मीठे मटर के फूलों से. हमारे ब्लॉक को छाया देने वाले लिंडन के पेड़ों के फूलों से. और शायद, अगर हम भाग्यशाली हों, तो शहर भर में कहीं पर उगी खट्टी-मीठी ब्लूबेरी झाड़ियों से."

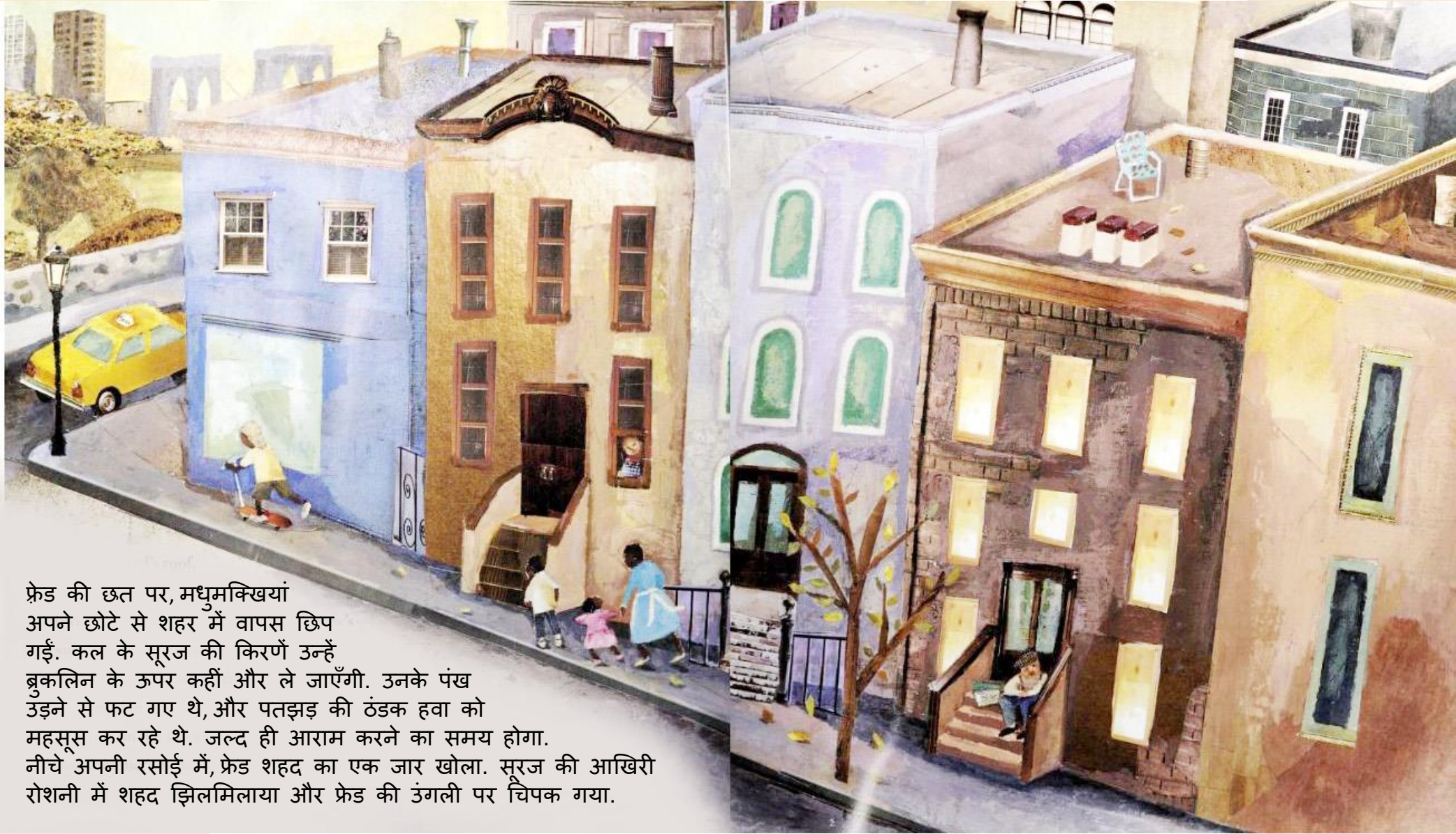

फ़्रेड की छत पर, मधुमक्खियां
अपने छोटे से शहर में वापस छिप
गईं. कल के सूरज की किरणें उन्हें
ब्रुकलिन के ऊपर कहीं और ले जाएँगी. उनके पंख
उड़ने से फट गए थे, और पतझड़ की ठंडक हवा को
महसूस कर रहे थे. जल्द ही आराम करने का समय होगा.
नीचे अपनी रसोई में, फ़्रेड शहद का एक जार खोला. सूरज की आखिरी
रोशनी में शहद झिलमिलाया और फ़्रेड की उंगली पर चिपक गया.

वो लिंडेन के फूलों की तरह मीठा था.

वो रोजमरी के फूलों की तरह तेज था.

वो कभी-कभी-थोड़ा खट्टा भी होता था.

.

"आह," फ्रेड उसके स्वाद को चखते हुए कहा, "ब्लू बैरीज़!"

शहद, मधुमक्खियों और मधुमक्खी पालकों के बारे में कुछ आश्चर्यजनक तथ्य

फ़्रेड जैसे लोग, खुद अपनी मधुमक्खियाँ पालते हैं ताकि वे अपना शहद इकट्ठा कर सकें (और उसे खा सकें), मधुमक्खी पालक "एपिएरिस्ट" भी कहलाते हैं. फ्रेड की कहानी ब्रुकलिन, न्यूयॉर्क के दो मधुमक्खी पालकों से प्रेरित है, जिनमें से एक 2001 से, अपने फोर्ट ग्रीन पड़ोस में, मधुमक्खी पालन कर रहा है.

मधुमक्खी पालक, मधुमक्खियों के समूहों की देखभाल करते हैं, जिन्हें कॉलोनी कहा जाता है. प्रत्येक कॉलोनी अपने स्वयं के मधुमक्खी घर में रहती है, जिसे छत्ता कहा जाता है. कुछ छत्ते कोमल होते हैं, कुछ सख्त होते हैं; कोई बहुत सारा शहद बनाता है, कोई बहुत कम.

प्रत्येक छत्ते में एक रानी होती है, जिसका काम केवल अंडे देना होता है—दिन में पंद्रह सौ तक! फ्रेड ने अपनी मधुमक्खियों का नाम इतिहास और लोककथाओं के ऊपर रखा है: नेफ़र्टिटी मिस्र के फिरौन (फेरो) अखेनाटन की पत्नी थी; माब, सेल्टिक किंवदंती की एक परी रानी थी; और बोदिका एक वास्तविक सेल्टिक रानी थी जिसने रोमन साम्राज्य के खिलाफ, सैनिक विद्रोह का नेतृत्व किया था.

प्रत्येक छत्ते में कई सौ नर ड्रोन होते हैं, जिनका एकमात्र काम रानी के साथ संभोग करना होता है. एक कॉलोनी की बाकी मधुमक्खियां महिला श्रमिक होती हैं और वे सभी एक-दूसरे की बहनें होती हैं. गर्मियों में, जब कॉलोनी में अमृत आता है, तो एक छत्ते में साठ हजार मजदूर तक हो सकते हैं; लेकिन सर्दियों में उनकी संख्या घटकर दस हजार रह जाती है. अपने जीवन के पहले चरणों में, वे रानी और उसके बच्चों (अंडे, लार्वा, प्यूपा - ये सभी बच्चे मधुमक्खी के चरण हैं) को खिलाते हैं. वे लकड़ी के तख्ते पर छह-कोनों वाले मोम के कमरे, या कोशिकाओं का निर्माण करते हैं, जिसे मधुमक्खी पालक छत्ते के अंदर रखता है, जिसमें अमृत, पराग और शहद संग्रहित होता है; इन्हें मधुकोश कहते हैं. मज़दूर मधुमक्खियां छत्ते को साफ रखती हैं और कई अन्य कार्य भी करती हैं. जब मधुमक्खी के बच्चे लगभग चौदह दिन के होते हैं तब वे फूलों का पराग चुनने के लिए छत्ते के बाहर उड़ते हैं.

जब किसी मधुमक्खी को फूलों की भरपूर फसल मिलती है, तो वो अन्य मधुमक्खियों को इसके बारे में अंग्रेज़ी के अंक आठ (8) का नृत्य करके बताती हैं. इससे बाकी को पता चल जाता है कि फूल, छत्ते से कितनी दूर है और सूर्य से किस दिशा में स्थित हैं. एक दिन में, एक मधुमक्खी आठ मील और एक हजार फूलों तक की यात्रा कर सकती है - और फिर भी, वो अपने बारह सप्ताह के अल्प जीवनकाल में, केवल एक चम्मच शहद के केवल बारहवें हिस्से का अमृत ही एकत्र कर पाएगी!

देर की गर्मियों या शुरुआती शरद ऋतु में, मधुकोश शहद से भरा होता है और फसल के लिए तैयार होता है. मधुमक्खी पालक चीड़ की सुइयों की आग जलाते हैं, और छत्ते में धुंआ भरते हैं, जिससे मधुमक्खियों को आग लगने का आभास होता है, और वे अपने भागने की तैयारी के लिए जितना हो सके उतना अधिक शहद खाने के लिए हाथापाई करते हैं. वे इस बात की परवाह नहीं करते हैं कि मधुमक्खी पालक क्या कर रहा है. मधुमक्खी पालक शीर्ष स्तर के ही छत्ते को निकालता है. निचले स्तर के छत्ते वो मधुमक्खियों के लिए छोड़ देता है - जहाँ का संग्रहित शहद सर्दियों के लिए उनका भोजन होगा.

मधुमक्खी पालक, मधुकोश से एक स्पिनिंग मशीन के ज़रिये शहद को निकालता है जिसे एक्सट्रैक्टर कहा जाता है और उस शहद को जार में भरता है ताकि हम उसके मिठास का आनंद ले सकें ... शायद हमेशा के लिए! मिस्र के फिरौन की कब्रों में अभी भी खाने योग्य शहद के निशान पाए गए हैं.

अक्टूबर के अंत तक, अधिकांश मधुमक्खियां छत्ते को छोड़ देती हैं और मर जाती हैं. रानी मधुमक्खी - जिसका जीवन काल लगभग तीन वर्ष होता है - और शरद ऋतु में पैदा हुए श्रमिक, सर्दी से बचने के लिए शहद के छत्ते के ऊपर छिप जाते हैं. वे एक शहद से भरे खंड से दूसरे खंड में जाते हैं, खाते हैं और आराम करते हैं. यदि मधुमक्खियां सपने देख सकतीं, तो वे ज़रूर एक नए वसंत का सपना देखतीं.